IJIRSET
International Journal of Innovative Research in
SCIENCE | ENGINEERING | TECHNOLOGY

e-ISSN: 2319-8753 | p-ISSN: 2347-6710

INTERNATIONAL JOURNAL OF INNOVATIVE RESEARCH

IN SCIENCE | ENGINEERING | TECHNOLOGY

Volume 13, Issue 6, June 2024

ISSN INTERNATIONAL STANDARD SERIAL NUMBER INDIA

Impact Factor: 8.423

9940 572 462 | 6381 907 438 | ijirset@gmail.com | www.ijirset.com

International Journal of Innovative Research of Science, Engineering and Technology (IJIRSET)

|www.ijirset.com | A Monthly Peer Reviewed & Referred Journal | e-ISSN: 2319-8753; p-ISSN: 2347-6710|

|Volume 13, Issue 6, June 2024|

| DOI:10.15680/IJIRSET.2024.1306289 |

आतंकवाद–समस्या एवं समाधान (भारत के विशेष संदर्भ में)

डॉ. प्रेम सिंह रावलोत – सह–आचार्य, राजनीति विज्ञान एवं लोक प्रशासन विभाग, भूपाल नोबल्स विश्वविद्यालय, उदयपुर– (राजस्थान)

पल्लवी चौहान – शोधार्थी, राजनीति विज्ञान एवं लोक प्रशासन विभाग, भूपाल नोबल्स विश्वविद्यालय, उदयपुर– (राजस्थान)

सारांश

आज हम वैश्विक गतिशीलता के युग में रह रहे हैं। वर्तमान समय में आतंकवाद समस्त राष्ट्रों के समक्ष एक चुनौतीपूर्ण समस्या है। ना केवल विकासशील देश अपितु विकसित देशों के लिए भी आतंकवाद की समस्या जटिल है। यद्यपि सूचना प्रौद्योगिकी ने संसार को तकनीकी संदर्भ में एक समूह के रूप में प्रकट किया है तथापि यही कारण है कि आतंकवाद विश्व में तेजी से फ़ैल रहा है। आतंकवाद के रूप में इस विश्वव्यापी चुनौती से लड़ना समस्त राष्ट्रों के लिए चिंता का विषय बना हुआ है, एवं अपनी अर्थव्यवस्थाओं एवं लोकतंत्र की सुरक्षा किस प्रकार इस जटिल समस्या से सुनिश्चित करें यह चुनौतीपूर्ण कार्य हो गया है। आतंकवाद की इस समस्या को भारतीय संदर्भ में देखें तो भारत में भी आतंकवाद की पृष्ठभूमि अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य से भिन्न नहीं है। एक और जहां हिंद महासागर भौगोलिक रूप से भारत को विभिन्न राष्ट्रों की जलीय सीमा से जोड़ता है उसी प्रकार देश की स्थलीय सीमा भी अनेक महत्वपूर्ण देशों से जुड़ी हुई है। भारत देश में समय–समय पर आतंकवाद की इस समस्या ने विभिन्न रूपों में अपने पांव पसारे हैं तथा यह गतिविधियां भारत में निरंतर बढी है। प्रस्तुत शोध–पत्र में आतंकवाद की समस्या का भारत देश के संदर्भ में विश्लेषण किया गया है साथ ही भारत में प्रमुख आतंकवादी घटनाओ का विवरण प्रस्तुत करते हुए समस्या के निवारण हेतु सुझाव भी प्रस्तुत किये गए है।

मूल बिंदु : आतंकवादी संगठन, लोकतंत्र, समसामयिक व्यवस्था

| DOI:10.15680/IJIRSET.2024.1306289 |

प्रस्तावना :

आतंकवाद शब्द हिंसा का परिचायक है एवं इस शब्द की प्रकृति नकारात्मक कूटनीति का अस्त्र मात्र है। यदि भारतीय पौराणिक साहित्य को देखें तो यह कूटनीति वहां भी दृश्यमान होती रही है। स्वतंत्र भारत में आतंकवाद जाति, भाषा, धर्म एवं क्षेत्र आदि अनेकों रूपों में सामने आता रहा है परंतु इसका मूल उद्देश्य प्रारंभ से ही हिंसा फैलाना रहा है। यद्यपि भारत देश में आंतकवाद समसामयिक व्यवस्था की देन नहीं है परंतु देश में ऐसे विभिन्न कारक हैं जिन्होंने इसके स्वरूप को प्रभावित किया है यथा तकनीकी विकास, परिवहन विकास, मादक द्रव्यों की तस्करी, नव–उपनिवेशवाद, बेरोजगारी इत्यादि। भारत बहुत लम्बे समय से आतंकवाद का शिकार होता रहा है। भारत के कश्मीर, नागालैंड, पंजाब, असम, बिहार, महाराष्ट्र, दिल्ली आदि विशेषरूप से आतंक से प्रभावित रहे हैं। आतंकवाद की समस्या ने बड़े पैमाने पर भारतीय विदेश नीति को भी प्रभावित किया है। वर्तमान समय में साइबर आतंकवाद के रूप में इसका नया रूप सामने आया है जिसके अंतर्गत इंटरनेट के माध्यम से संपर्क स्थापित कर विनाश का संवहन किया जा रहा है। आतंकवाद भारत की सबसे बड़ी समस्या है, जिसने भारतीय शासन–व्यवस्था को जर्जर कर दिया है। आतंकवाद ने भारत की आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक, सांस्कृतिक आदि परिस्थितियों को प्रभावित किया है। अतः इसे दूर करना अत्यधिक आवश्यक है। जो क्षेत्र आज आतंकवादी गतिविधियों से लम्बे समय से जुड़े हुए हैं उनमें जम्मू–कश्मीर, मुंबई, मध्य भारत (नक्सलवाद) और (उत्तर पूर्व के सात राज्य) (स्वतंत्रता और स्वायत्तता के मामले में) शामिल हैं। अतीत में पंजाब में पनपे उग्रवाद में आंतकवादी गतिविधियां शामिल हो गयीं जो भारत देश के पंजाब राज्य और देश की राजधानी दिल्ली तक फैली हुई थीं।

| DOI:10.15680/IJIRSET.2024.1306289 |

उद्देश्य :

प्रस्तुत शोध पत्र के निम्न उद्देश्य है–

- आतंकवादी समस्या का विश्लेषण करना।
- भारत में आतकंवाद की समस्या के स्तर का विशेलषण करना।
- भारत में आतंकवाद की प्रमुख घटनाओ का विवरण प्रस्तुत करना।
- देश में आतंकवाद की समस्या निवारण हेतु संभावित उपाय सुझाना।

आंकड़ो के स्त्रोत :

प्रस्तुत शोध–पत्र द्वितीयक आंकड़ों के आधार पर तैयार किया गया है। इस हेतु विभिन्न प्रकार के उपलब्ध साहित्यों एवं विभिन्न ऑनलाइन स्रोतों से आंकड़ों का संकलन किया गया है।

साहित्य पुनरावलोकन :

- आर. जोनाथन, टेर्ररिज्म एंड होमलेण्ड सिक्योरिटी, 2011 – इस पुस्तक में आतंकवाद के विभिन्न विषयों का समावेश किया है, जैसे : आतंकवाद की सामजिक पृष्ठभूमि, आतंकवादी संगठन व इसके वित्तीय संसाधनों का वर्णन, आधुनिक आतंकवाद के कारणों आदि पर लेखक द्वारा किया गया वर्णन अद्वितीय है।
- एडरीयन गुअलके, दि न्यू ऐज ऑफ टेर्ररिज्म एंड इंटरनेशनल पॉलिटिकल सिस्टम, आई. बी. टोरिस, लंदन व न्यूयार्क, 2009 – प्रस्तुत पुस्तक में लेखक की आतंकवाद विषय से संबंधित गहन दृष्टि उजागर हुई है।
- ब्रिगीटे एल.नाकोस, टेर्ररिज्म एंड काउंटर टेर्ररिज्म, लोंगमन, बोस्टन, 2011 – यह आतंकवाद विषय पर लिखी गयी एक व्यवस्थित रचना है। यह आतंकवाद की परिभाषा, वैश्विक आतंकवाद, धार्मिक आतंकवाद, राज्य प्रायोजित आतंकवादी समूहों, उनके लक्ष्यों, नागरिक स्वतंत्रताओं व सुरक्षा, मीडिया का दोहन आदि विषयों पर विस्तार से प्रकाश डालती है।

International Journal of Innovative Research of Science, Engineering and Technology (IJIRSET)

Impact Factor 8.423

|www.ijirset.com | A Monthly Peer Reviewed & Referred Journal | e-ISSN: 2319-8753; p-ISSN: 2347-6710|

|Volume 13, Issue 6, June 2024|

| DOI:10.15680/IJIRSET.2024.1306289 |

भारत की प्रमुख आतंकवादी घटनाएँ :

भारत देश में समय समय पर विभिन्न आतंकवादी हमले हुए है जो अत्यंत विनाशकारी रहे है, जिसमे से कुछ प्रमुख आतंकवादी घटनाओं का विवरण निम्न है–

1. 2001 में देश की सबसे सुरक्षित इमारत, संसद भवन पर दिन दहाड़े आतंकवादी घुस गए थे। पुलिस व सुरक्षाकर्मी के साथ लम्बी मुठभेड़ के बाद आतंकवादियों को मार गिराया था। इस दौरान पूरी संसद में दहशत का माहौल था, चारों तरफ अफरा–तफरी थी।
2. 2006 में मुंबई की लोकल ट्रेन को निशाना बनाया गया था। 11 मिनट के अन्तराल में 7 बम ब्लास्ट किये गए थे, जिससे कई बच्चे, बूढ़े, महिला, नौजवानों की जानें गई थी।
3. 2008 में मुंबई की होटल ताज व ओबरॉय में आतंकवादी घुस गए थे, और कई दिनों तक वहां पर लोगों को बंदी बना कर रखा था। आतंकवादी अपनी मांग पूरी करवाना चाहते थे। लम्बी मुठभेड़ के बाद 1 आतंकवादी को मार गिराया गया था, तथा दुसरे आतंकी को गिरफ्तार कर लिया गया था और उसे 2012 में फांसी की सजा हुई थी।
4. भारत में 14 फरवरी 2019 को पुलवामा आंतकवादी हमला हुआ, इस हमले में 37 जवान शहीद हुए और अनेक जवान गंभीर रूप से घायल हुए थे।
5. मई 2007 में हैदराबाद की मक्का मस्जिद में आंतकवादी विस्फोट हुआ, इस विस्फोट में 11 लोगों की मौत हुई थी।
6. 13 मई 2008 को जयपुर में सिलसिलेवार बम विस्फोट हुआ और 68 लोगों की मौत हुई।
7. अक्टूबर 2007 अजमेर शरीफ दरगाह में विस्फोट हुआ और दो लोगों की मौत हुई।
8. जनवरी 2008 को रामपुर में CRPF के जवानो पर आंतकी हमला हुआ, इस हमले में 8 जवान शहीद हुए।

| DOI:10.15680/IJIRSET.2024.1306289 |

आतंकवाद की समस्या के निवारण हेतु महत्वपूर्ण सुझाव :

निःसंदेह आतंकवाद की समस्या एक विश्व व्यापी समस्या है, जिसका समय रहते निराकरण किया जाना अति आवयश्यक है। वस्तुतः निम्न उपायों को अपनाकर आतंकवाद की समस्या को काफी हद तक रोका जा सकता है–

- **धार्मिक सद्भावना :**

  धर्म को सही ढंग से समझना होगा। मानवजाति धर्म, जातिवाद के भंवर में इस कदर फंस गई है, कि धर्म के उपर इंसानियत के बारे में सोचती ही नहीं है। धर्म हमारी सुविधा के लिए है। धर्म अच्छी शिक्षा, ज्ञान की बातें इंसानियत सिखाता है। हमें धर्म, जाति के उपर इंसानियत को रखना चाहिए।

- **शिक्षा का प्रसार :**

  आतंकवाद को दूर करने के लिए अच्छी शिक्षा की बहुत जरूरत है। अनुकूल शिक्षा मिलने पर इन्सान की सोच बदलेगी, उसकी सोचने समझने की शक्ति में बदलाव आएगा और वो सही दिशा में ही सोचेगा। शिक्षित व्यक्ति अपना अच्छा बुरा जानता है, उसको गलत शिक्षा देकर बहलाया नहीं जा सकता।

- **प्रमुख देशों द्वारा समाकलित प्रयास :**

  आतंकवाद से निपटने के लिए देश दुनिया को मिल कर काम करना होगा, और इसलिए हर साल 21 मई को आतंकवाद विरोधी दिवस मनाया जाता है। इस समस्या से लड़ने के लिए एक अकेला देश कुछ नहीं कर सकता, क्योंकि ये विश्वव्यापी समस्या है।

| DOI:10.15680/IJIRSET.2024.1306289 |

निष्कर्ष :

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि आतंकवाद की समस्या न केवल भारत देश अपितु समस्त विश्व के लिए एक गंभीर समस्या है, जो समय–समय पर अपना क्रूर रूप दिखाती है। अतः इस समस्या के समुचित निवारण हेतु व्यापक स्तर पर प्रयास किये जाने आवश्यक है तथा इस संदर्भ में शिक्षा एक महत्वपूर्ण विकल्प है। जनसमुदाय में शिक्षा का उचित प्रसार कर इस समस्या को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

References:

1. के. आर. गुप्ता, ग्लोबल टेर्ररिज्म, पृष्ठ 1
2. डॉ. आर. एन. त्रिवेदी एवं डॉ. एम.पी. राय, भारतीय सरकार एवं राजनीति, पृष्ठ 559
3. ऑफिशियल जर्नल ऑफ दि यूरोपियन कम्यूनिटीज, 22.6.2002
4. यूनाइटेड किंगडम टेर्ररिस्ट एक्ट, 2000
5. शीर्षक 22, U.S.C. सेक्शन 2656 F(d)
6. अर्जेंटीनियन नेशनल रिऑर्गेनाइजेशन प्रोसेस डिक्टेटरशिप जो 1976 से 1983 तक चली।
7. अबुकमल के शासन पर अमरीकी आक्रमण के संदर्भ में, टेर्ररिस्ट यू. एस. 28.10.2008
8. ब्रुसहोफ्फमन, इन्साइड टेर्ररिज्म, सेकण्ड एडिसन, कोलंबिया यूनिवर्सिटी प्रेस, 2006, पृष्ठ 41
9. कांर्सटीन बॉकस्टीट, जार्ज सी. मार्शल सेंटर ओकेशनल पेपर सीरीज (20), 2008
10. वाल्टर लॉकर, ए ऐज ऑफ टेर्ररिज्म, मेलबोर्न यूनिवर्सिटी पब्लिशिंग, 2002, पृष्ठ 8
11. शिमिड व जोंगमन, एटअल पोलिटिकल टेर्ररिज्म : ए न्यू गाइड, नॉर्थ हॉलेण्ड ट्रांजेक्सन बुक्स 1988, पृष्ठ 28
12. सरजी जागराइवस्की, 365 रिफ्लेक्शंस ऑन ह्यूमन एंड ह्यूमेनिटी
13. अलीखान, ए लीगल थ्योरी ऑफ इंटरनेशनल टेर्ररिज्म, कनेक्टीकट ला रिव्यू 1987, वॉल्यूम 19, पृष्ठ 945

International Journal of Innovative Research of Science, Engineering and Technology (IJIRSET)

|www.ijirset.com | A Monthly Peer Reviewed & Referred Journal | e-ISSN: 2319-8753; p-ISSN: 2347-6710|

|Volume 13, Issue 6, June 2024|

| DOI:10.15680/IJIRSET.2024.1306289 |

14. रोजलिन हिगिंस एवं एम, फलोरी, इंटरनेशनल ला एंड टेर्ररिज्म, 1997, पृष्ठ 28

15. शिकागो जर्नल, एथिक्स, 114, जुलाई 2004, पृष्ठ 647–649

16. ब्रुस होफ्फमन, इनसाइड टेर्ररिज्म, कोलंबिया यूनिवर्सिटी प्रेस, 1988, पृष्ठ 17

17. डेविड रेपोपोर्ड, फीयर एंड ट्रेंबलिंग : टेर्ररिज्म इन थ्री रिलिजीयस

18. ट्रेडिशंस, अमरीकन पोलिटिकल साइंस रिव्यू, 1984, पृष्ठ 658

INTERNATIONAL STANDARD SERIAL NUMBER INDIA

INNO SPACE
SJIF Scientific Journal Impact Factor

doi crossref

निस्केयर
NISCAIR

INTERNATIONAL JOURNAL OF INNOVATIVE RESEARCH

IN SCIENCE | ENGINEERING | TECHNOLOGY

9940 572 462 6381 907 438 ijirset@gmail.com

www.ijirset.com

Scan to save the contact details